

संख्या-493/11-2005-03 (05)/2005
देहरादून दिनांक 25 मई, 2005

शासनादेश सं० 450/11-2005-03 (05)/05 दिनांक 10.05.05 के पृष्ठ 2 में अंकित लेखाशीर्षक के स्थान पर निम्न को पढ़ा जाय। "अनुदान सं० 20 लेखाशीर्षक 2702-लघु सिंचाई, 02-भू-जल, 005-अन्वेषण, 03-भू-गर्भ जल सर्वेक्षण का विकास, आंकलन एवं सुदृढीकरण-00 तथा अनुदान सं० 20 लेखाशीर्षक 2702-लघु सिंचाई, 80-सामान्य आयोजनेत्तर, 800-अन्य मद, 03- रेशनलाईजेशन आफ माईनर इरीगेशन,-00 के अन्तर्गत वर्णित शीर्षक में प्राथमिक इकाईयों के नाम में डाला जाय"।

उक्त शासनादेश के संलग्नक में क्रम सं० 1 से 9 तक के योग के बाद अंकित शीर्षक के स्थान पर "अनुदान सं० 20 लेखाशीर्षक 2702-लघु सिंचाई, 80-सामान्य आयोजनेत्तर, 800-अन्य मद, 03-रेशनलाईजेशन ऑफ माईनर इरीगेशन,-00" पढ़ा जाय।

उक्त शासनादेश में अन्य मदें एवं शर्तें यथावत रहेंगी।
शासनादेश को इस सीमा तक संशोधित समझा जाय।

संख्या ५१३ / ११-२००५-०३(०५)/०५, तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु

प्रेषित :-

- 1- महालेखकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- वित्त विभाग (वित्त अनुभाग-2), उत्तरांचल शासन।
- 3- निजी सचिव, मा० मुख्य मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 4- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 5- समस्त कोषाधिकारी/जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 6- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- गार्ड फाईल।

(महावीर सिंह चौहान)
अनु सचिव